समाचार

# कला प्रतिभा के बल पर प्रतिष्ठित हुए कलाकार

Dec 16, 12:07 am

Print

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता :
जिस तरह फूल अपनी खुशबू से गुलिस्तां को महका देते हैं, उसी तरह कलाकार भी अपनी कला प्रतिभा से देश का नाम रोशन करते हैं। तभी तो किसी ने कहा है कि प्रतिभा जहां भी जाती है, वहां प्रतिष्ठा पाती है। सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित पुरस्कार समारोह में देश के जाने-माने हस्तशिल्पियों, बुनकरों व शिल्प गुरुओं को सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारे देश की परंपरागत धरोहर के संवर्द्धन के लिए इन कलाकारों ने अमूल्य योगदान दिया है। मेरा विश्वास है कि यह सम्मान इन कलाकारों की रचनात्मकता में और भी इजाफा करेगा। उन्होंने इस बात की विशेष तौर से चर्चा की कि इनसे देश के 1.20 करोड़ लोगों को रोजगार मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार को कुछ ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जिनसे कारीगरों और बुनकरों काकल्याण हो।
सम्मान समारोह का आयोजन कपड़ा मंत्रालय के विकास आयुक्त एवं विकास आयुक्त कार्यालय के समन्वित सहयोग से किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री शंकर सिंह वाघेला ने कहा कि सरकार कारीगरों को उचित सुविधाएं उपलब्ध करवा कर उनके उत्पादों में सुधार करने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इनके लिए एक स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की गई है, जिससे इन्हें निश्चित तौर पर लाभ मिलेगा।
गौरतलब है कि राष्ट्रपति ने वर्ष 2005-06 के लिए देश के 77 सिद्धहस्त शिल्पियों एवं बुनकरों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अलावा 7 सिद्धहस्त शिल्पकारों को शिल्प गुरु पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप 50 हजार रुपये नकद, एक ताम्रपत्र, अंगवस्त्रम व प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।
शिल्पियों एवं बुनकरों में दिल्ली से 6 कलाकारों को पुरस्कार प्राप्त हुए। इनमें काष्ठ नक्काशी एवं जड़ाऊ कार्य के लिए मोहम्मद मतलूब व क्रिटस्ल ग्लासवर्क के लिए यतेंद्र कुमार वर्ष को 2005 का एवं काष्ठ नक्काशी के लिए मोहम्मद अय्यूब, मिथिला चित्रकला के लिए भारती दयाल, काष्ठ जड़ाऊ बॉक्स के लिए मोहम्मद फारुख व टेराकोटा के लिए लच्छी राम को वर्ष 2006 का पुरस्कार प्रदान किया गया। मोहम्मद मतलूब का जन्म उत्तार प्रदेश के नगीना में वर्ष 1966 में हुआ। इन्होंने कला की बारीकियां अपने गुरु अब्दुल रहमान खान से सीखीं। इस कला के लिए बहुधा चंदन की लकड़ी, शीशम व आबनूस की लकड़ी का प्रयोग किया जाता है। इस शिल्प में जौहर दिखाने के लिए उच्च कौशल, साहस, प्रेरणा व अनुशासन का होना जरूरी है। हस्तशिल्पी यतेंद्र कुमार का जन्म 1969 में दिल्ली में हुआ। यतेंद्र 16 वर्ष की उम्र से क्रिस्टल ग्लासवर्क पर काम कर रहे हैं। यह काम कारीगरों द्वारा तैयार की गई सर्वाधिक खुबसूरत वस्तुओं में से एक है। इसकी शुरुआत मुगलकाल में सजावटी सामान के रूप में हुई।
काष्ठ नक्काशी के लिए पुरस्कार पाने वाले 63 वर्षीय मोहम्मद अय्यूब उत्तार प्रदेश के फर्रुखाबाद से संबंध रखते हैं। उनका जन्म परंपरागत ठप्पा बनाने वाले परिवार में हुआ और उन्होंने पिता से ही कला के गुर सीखे। ठप्पों के लिए प्रयोग में आने वाली लकड़ी शीशम की होती है व इसे एक साल तक सुखाया जाता है। फिर इस पर कारीगरी की जाती है।
मिथिला चित्रकला में हुनरमंद भारती दयाल ने यह शिल्प अपनी दादी और माता से सीखी। इस कला को परंपरागत रूप में अपनाने वाली भारती ने बाद में इसे व्यवसाय के रूप में लिया। यह कला मूल रूप से मिथिला राज्य से जुड़ी है। आजकल इस कला को बिहार के मधुबनी जिला से पहचाना जाता है। पूर्णतया महिलाओं द्वारा अपनाई गई इस कला में उनके पारंपरिक घरों में दीवारों व फर्शो पर तस्वीरों से सजाया जाता है।
मोहम्मद फारुख का जन्म नगीना, बिजनौ‌ेर में हुआ। 1978 से ये दिल्ली में रह रहे हैं। जड़ाऊ बॉक्स पर नक्काशी के लिए शीशम, रोजवुड और आबनूस लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है। टेराकोटा के काम में सिद्धहस्त 47 वर्षीय लच्छी राम का जन्म परंपरागत टेराकोटा शिल्पी परिवार में हुआ। ढाई दशक से वह इस काम में तत्पर हैं। इस काम के लिए राजस्थान, दिल्ली व हरियाणा की मिंट्टी प्रयोग में लाई जाती है।
वर्ष 2006 का शिल्प गुरु का पुरस्कार गिरीजा प्रसाद को प्रदान किया गया। इनका जन्म अलवर, राजस्थान में हुआ।
दिल्ली के अलावा हस्तशिल्प एवं हथकरघा के लिए 9 कलाकार वर्ष 2005 के लिए व 6 कलाकार वर्ष 2006 के लिए सम्मानित हुए। मधुबनी चित्रकला के लिए बिहार की विभा दास को वर्ष 2005 के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश से वर्ष 2005 में 3 कलाकारों-मो.रफीक खत्री व अब्दुल कादिल खत्री, राजेंद्र सिंह कुशवाहा व नर्मिस अंसारी को सम्मानित किया गया। जम्मू कश्मीर से वर्ष 2006 के लिए 4 कलाकारों- हाजी अब्दुल एजीज बेजाज, सैयद अजाज शाह, नसीर अहमद मीर व शौकत अहमद खान को सम्मानित किया गया।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
इस पृष्ठ की सामग्री जागरण द्वारा प्रदान की गई है
कॉपीराइट © 2007 याहू वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट / IP नीति